

## Justification

**Name of The Project :** Construction of kurud to kundbagad Motor Road .

### Necessity of the Project and Justification for locating the Project in Forest Area

Presently the villagers of the village kurud and kundbagad have to walk through a distance of 1 Km to meet their daily needs as there is no road connecting the village. Due to the non-existent of any road connectivity the lives of the villagers are in constant danger as there are no medical services which could be provided to them even in cases of emergency such as maternity.

Further, due to non-existent of the road connectivity the area remains backward in all respects. The main occupation of the villagers residing in this village is animal husbandry and agriculture.

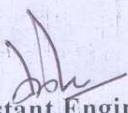
The villagers are forced to carry their cultivated crops such as Mirch, Lehsoun, Dhan, Ghehun, Green Vegetable, Onion etc. on their feet or by mules to the nearby market.

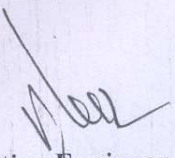
Due to the construction of road following benefits are provided to local People & Government too.

- 1- Enhance the social and economical development of this area.
- 2- Migration of people from the village shall be minimized.
- 3- Due to easily accessibility forest can be protected from fire during summer season to save Vegetation Plants & animals.
- 4- The Village People will travel large distance for their Jobs.
- 5- Local people will find jobs near their village.
- 6- More women will get employment & will improve their economic situation.
- 7- Educational development in this area.
- 8- Hospital and medical facilities.

The forest land area falling in the proposed alignment of the road which is 0.810 Hectare has been surveyed to the minimum and also the alignment of the road has been proposed in such a manner that there shall be a minimum of tree felling. Other than the proposed alignment for the road, there is no such alignment which shall reduce the diversion of forest area or felling of the trees. The overall width proposed for acquiring of the land is 7.00m and the construction of the road shall be carried out in a width of 6.00 in straight reaches. The Geological Investigation along the proposed alignment has been carried out which also states that the proposed alignment of the road is safe for construction. There are no graveyards, religious, historical/monumental or legendry places falling in the proposed alignment of the road.

In view of the above facts and in public interest, it is requested that the Forest land area of 0.810 Hectare may kindly be diverted for the construction of the road.

  
**Assistant Engineer**  
**Provincial Division PWD**  
**Karanprayag**

  
**Executive Engineer**  
**Provincial Division PWD**  
**Karanprayag**



परियोजना का नाम:- जनपद चमोली के विकास खण्ड घाट में घाट-रामणी मोटर मार्ग के ग्राम कुरुड से कुण्डबगड तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य।

(परियोजना के सम्बन्ध में संक्षिप्त विवरण)

जनपद चमोली में पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए यातायात का होना अति आवश्यक है, यातायात न होने के कारण इस क्षेत्र का विकास बिलकुल नहीं हो सकता है। इस क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए शासनादेश संख्या 765/जि.यो.-3/2012-13 दिनांक 31.7.2012 द्वारा 1.00 कि.मी. मोटर मार्ग निर्माण की स्वीकृति शासन से प्राप्त हुयी है। इस क्षेत्र की जनता का मुख्य व्यवसाय कृषि उत्पादन एवं पशुपालन है। यहाँ के लोगों को अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए मीलों दूर पैदल चल कर सामान पीठ पर तथा घोड़ों से ढोना पडता है। जिसमें अनावश्यक समय नष्ट हो जाता है।

मोटर मार्ग बनने व यातायात की सुविधा उपलब्ध हो जाने से इस क्षेत्र में पैदा होने वाली कृषि उपज को नजदीकी बाजारों में पहुँचाने पर कृषकों को अच्छे दाम मिलेंगे, जिससे स्थानीय जनता की आर्थिक स्थिति सुदृढ होने पर जीवन स्तर में वृद्धि के फलस्वरूप सामाजिक स्तर में सुधार आयेगा। इस क्षेत्र में आलू व चौलाई की नकदी फसलों का उत्पादन कृषक लगभग 150 हे. भूमि पर करते हैं। जिससे औसतन 300 टन आलू व चौलाई का उत्पादन होता है। यातायात होने पर इस कृषि उत्पादन को बाजार में सही समय पर लाने पर रोजगार के अच्छे साधन भी उपलब्ध होंगे। साथ ही स्थानीय श्रमिकों को रोजगार हेतु अन्यत्र जाने की सुविधा होगी, जिससे रोजगार में वृद्धि होने की सम्भावना है। साथ ही पलायन में भी अंकुश लगेगा। मार्ग का निर्माण ऐसे स्थानों से किया जा रहा है जहाँ पर वन सम्पदा/वृक्षों को न्यूनतम क्षति पहुँच रही है।

मार्ग निर्माण से स्थानीय बनों व वन्य जीवों की सुरक्षा वृक्षारोपण बचाव आदि कार्य में सुविधा होगी। आसानी से सुदूर वन क्षेत्रों के नजदीक पहुँच कर निरीक्षण में होने वाली दिक्कतें दूर होगी। मार्ग निर्माण होने से जनता को रसोई गैस आदि इंधन सामग्री आसानी से घर तक पहुँचने के फलस्वरूप जलाऊ लकड़ी का प्रयोग कम होगा, जिससे स्थानीय बनों का कटान कम होने की पूर्ण सम्भावना है। और पर्यावरण को सीधा फायदा होगा।

अतः मार्ग का निर्माण स्थानीय जनता की सुविधा एवं पर्यावरण की दृष्टि से भी उपयुक्त होने से यातायात का होना आवश्यक है।

5.6

अमीन  
लो.नि.वि.

सहायक अभियन्ता  
लो.नि.वि. कर्णप्रयाग

अधिशाली अभियन्ता  
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.  
कर्णप्रयाग